CENTRE OF EXCELLENCE

GOVERNMENT COLLEGE SANJAULI,

SHIMLA-06

{NATIONAL SERVICE SCHEME}

A Report on

दीपावली

दिनांक - 24 अक्टुबर, 2022

आज उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली की एन एस एस इकाई द्वारा दीपावली के शुभ अवसर पर मिशन ज्ञानोदय के अंतर्गत पढ़ाये जा रहे बच्चों के साथ दीपावली मनाई गयी। आज हमारे महाविद्यालय के एन एस एस के स्वयंसेवियों द्वारा ये निर्णय लिया गया की इस बार दीपावली की खुशियों को उन प्यारे, मासूम और होनहार बच्चों के साथ मना कर खुशियाँ दुगुनी की जाए।

इस पर्व को हिंदुओं का सबसे पवित्र और सबसे ज्यादा मात्रा मे मनाये जाने वाला पर्व माना

जाता है। और इस पर्व का सभी को बेसब्री से इंतज़ार होता है। आज हम सभी द्वारा मिशन ज्ञानोदय के बच्चो के साथ दीपावली ममनाने के फेसले ने हम सभी की खुशियों को चार गुना करने का कार्य किया।

HAPPY
DIWALI

हम लगभग 20 स्वयंसेवी उन बच्चो के साथ इस पर्व को मनाने गए। हम लगभग 1 बजे 24 तारीक को संजौली चौक मिले, वहाँ से हमने उनके लिए मिठाइयाँ, पेन, पेंसिल और चॉकलेट ले कर गए, ताकि उनको ये तोहफे पसंद आये और वे खुश हो पाए। हम उनके लिए घर से दीये सजा कर लाए ताकि वो उन्हें पसंद आये।

HAPPY
DIWALI

हम 1:30 पर उनको इकट्ठा करके एक मैदान मे एकत्र हुए। वो हम सभी को देख कर बहुत खुश थे। सबसे पहले हमने उन्हें एकत्र किया, उसके बाद उनके नाम और उनके क्या क्या शोक है वो पूछा। एन एस एस की स्वयंसेवी स्नेहा कश्यप द्वारा बच्चो को बताया गया कि दीपावली का क्या महत्व है और इस त्योहार को क्यों मानते है। क्यौकि ये जानकारी देना बहुत जरूरी था ताकि उन्हे इस पर्व को मनाने के इतिहास का पता चले।

इसके बाद हमनें उन्हें काग़ज और रंग दिया तथा उनको दीपावली पर पेंटिंग करने को कहा।

बच्चो ने लाजवाब तस्वीरें बनाई जिससे उनकी कला का हमे ज्ञान मिला। कई बच्चो ने सजा हुआ घर, दीया, पेड़ और कुछ ने अपनी ही पसंद की तस्वीर बनाई। हमने सभी बच्चो को एक एक चॉकलेट दी जिसके बाद वे बहुत खुश थे।

हमने उसके बाद उनके साथ मिलकर डांस किया तथा उनको कई मज़ेदार गमे खेली। तथा रंगोली बनाई।

हमने उनको बताया की हमे पटाखे नही जलाने चाहिए क्युकी इससे वातावरण प्रदूषित होता है और हमनें उन्हें दीये जलने के लिए भी प्रेरित किया।

अंत में हमने उनको और उनके हर वालो को मिठाई दी तथा बच्चो को पेन, पेंसिल और किताबे दी। उनके साथ दीपावली मनाने की हमारी ये सोच उनकी और हमारी दोनो की दीपावली को खुशियों से भर गयी।

जारीकर्ता-

स्नेहा कश्यप।